बूमर्स, मिलेनियल्स, जेन ज़ेड: पीढ़ीगत अंतरों को पाटना

ग्रेग हॉजेस

आप किस पीढ़ी से हैं? अतीत में यह सवाल शायद निरर्थक लगता रहा होगा क्योंकि हमने लोगों और उनके साथियों को उम्र के आधार पर श्रेणियों में विभाजित करने का काम हाल ही में शुरू किया है।

अतीत में इस प्रश्न को इस तरह से समझा गया होगा कि परिवार में उस व्यक्ति की क्या भूमिका है: मां, बच्चा, दादा, आदि। लेकिन आजकल यह सवाल पूछने पर आपको तुरंत उत्तर मिलेगा -- "मैं बेबी बूमर हूं", "मैं जेन एक्स हूं", "मैं मिलेनियल हूं", "मुझे लगता है कि मैं जेन ज़ेड हूं, वह चाहे जो भी हो।" लेकिन इस सवाल का शायद एक अन्य अर्थ भी हो सकता है: "आप किसकी तरफ हैं?"

पश्चिमी सभ्यता के अधिकांश हिस्सों में लोगों को पीढ़ियों के अनुसार वर्गीकृत करना अब एक सामान्य बात हो गई है। प्यू रिसर्च सेंटर जन्म वर्ष के अनुसार उन पीढ़ीगत समूहों को इस प्रकार परिभाषित करता है:

- जेनरेशन ज़ेड: 1997-2012
- मिलेनियल्स: 1981-1996
- जेनरेशन एक्स: 1965-1980
- बेबी बूमर्स: 1946-1964
- साइलेंट जेनरेशन (मूक पीढ़ी): 1928-1945

ये केवल आयु वर्ग नहीं हैं। इनमें से हर पीढ़ी का उस समय के जीवन-चरण के प्रति एक अद्वितीय दृष्टिकोण रहा है, जो पिछले समय में पैदा हुए लोगों और बाद में आने वाले लोगों से भिन्न है। हालांकि ये अंतर और कट-ऑफ कृत्रिम और मनमाने लग सकते हैं लेकिन वे हमें राष्ट्रीय जनसंख्या के दायरे में व्यापक पैटर्न को समझने में मदद दे सकते हैं। प्यू रिसर्च सेंटर ने गौर किया है कि:

… पीढ़ीगत समूह शोधकर्ताओं को समय के साथ विचारों में आए बदलावों का विश्लेषण करने का एक माध्यम प्रदान करते हैं। वे यह समझने का मार्ग प्रदान कर सकते हैं कि दुनिया के बारे में लोगों के विचारों को रूपाकार देने में विभिन्न रचनात्मक अनुभव (जैसे विश्व की घटनाएं और तकनीकी, आर्थिक एवं सामाजिक बदलाव) जीवन-चक्र और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया के साथ कैसे अभिक्रिया करते हैं।

अतीत में पीढ़ियों का यह अनुक्रम शायद अलग-अलग आयु के लोगों के बीच मामूली सांस्कृतिक अंतर को दर्शाता रहा होगा, लेकिन वर्तमान समय में यह इससे बढ़ कर कुछ और हो गया है।

यदि आप भी वे बातें देख रहे हैं जो मुझे दिख रही हैं तो आप इस बात से सहमत होंगे कि पीढ़ीगत समूह परस्पर विरोधी गुटों में बदल गए हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि सोशल मीडिया पर आपने अन्य आयुवर्ग के लोगों द्वारा विशेष आयु समूहों के प्रति पूर्वाग्रह पालते और उन्हें बलि का बकरा बनाते देखा होगा। मिलेनियल्स को अत्यंत संवेदनशील और हमेशा शिकायत करने वाले लोगों के रूप में देखा जाता है। जेन एक्स उदासीन शून्यवादी हैं। बेबी बूमर्स ने इस धरती को बर्बाद कर दिया। जेन ज़ेड अपने फोन से चिपका रहता है। इस बात से हर कोई सहमत है कि हर दूसरी पीढ़ी में स्वार्थ और आत्ममुग्धता की प्रवृत्ति होती है।

सोशल मीडिया पर साझा की जाने वाली कुछ चीजें अपेक्षाकृत हानिरहित होती हैं। किसी दशक की तकनीक, पॉप कल्चर आइकन और उपभोक्ता वस्तुओं की तस्वीरें, लगभग समान उम्र के एक जैसे उपयोगकर्ताओं के बीच मित्रता की भावना पैदा कर सकती हैं। चुटकुले माता-पिता और बच्चों के एक-दूसरे को न समझने के तरीकों का मज़ाक उड़ा सकते हैं। लेकिन एक अन्य सामग्री है जो खतरनाक रूप से नफ़रती भाषण के करीब होती है, और मुझे इस बात की चिंता होती है कि हम एक समाज के रूप में कहां जा रहे हैं।

जब ये पूर्वाग्रह कार्यस्थलों, परिवारों, समुदायों और राजनीतिक संस्थाओं के भीतर संघर्षों को उग्र बना देते हैं तो अपमानजनक भाषा अपमानजनक व्यवहार के साथ मिल जाती है। अगर मिलेनियल्स "असली काम" करने से इनकार करते हैं तो मुझे उनके नियोक्ता के बारे में उनकी चिंताओं को क्यों सुनना चाहिए? अगर बेबी बूमर्स बेशर्म कट्टरपंथी हैं तो मुझे उनके आस-पास की दुनिया से अलगाव की भावना को दूर करने में उनकी मदद क्यों करनी चाहिए?

एक पीढ़ी को दूसरी पीढ़ी के विरुद्ध खड़ा करने से शून्यता की ओर ले जाने वाली राजनीति को बढ़ावा मिलता है जिसमें एक समूह को दूसरे समूह की कीमत पर लाभ प्राप्त होता है।

पुरानी पीढ़ी के लोगों में वयस्क जगत में दीर्घ अनुभव के माध्यम से अर्जित धन, प्रभाव और शक्ति पर निर्भर होने की अधिक संभावना होती है। इसके विपरीत, युवा पीढ़ी का मानना है कि अगर वे अपने काम करने के तरीके पर अडिग रहेंगे तो अपने बुज़ुर्गों के मर जाने तक वे विजय प्राप्त कर सकते हैं। उन तौर-तरीकों से, अन्य पीढ़ियों के प्रति पूर्वाग्रह आत्म-समीक्षा और जवाबदेही से बचने का एक बहाना बन जाता है।

बहाई धर्म की शिक्षाओं में प्रत्येक व्यक्ति को उन विशेष प्रतिभाओं और योग्यताओं से सम्पन्न माना जाता है जिनका लाभ पूरी मानवता को प्रदान किया जा सकता है। जहां एकता और सहयोग मौजूद होता है, वहां इन आध्यात्मिक योगदानों का संयोजन इसके भागों के योग से भी बड़ा हो सकता है। अब्दुल-बहा ने कहा है:

...मन और आत्मा की दुनिया में, बंधुता, जो कि संघटन की अभिव्यक्ति है, वह जीवन के लिए लाभदायक है जबकि कलह, जो कि विघटन की अभिव्यक्ति है, मृत्यु के बराबर है। राजनीतिक निकाय का निर्माण करने वाले व्यक्तिगत तत्वों के बीच सामंजस्य के बिना, विघटन और क्षय का होना अनिवार्य है और इससे जीवन समाप्त हो जाएगा। - अब्दुल-बहा, विश्व शांति की घोषणा (द प्रोमल्गेशन ऑफ यूनिवर्सल पीस) , पृष्ठ 57।

यदि हम एक-दूसरे से सीखेंगे और एक-दूसरे की शक्तियों से प्रेरणा लेंगे तो एक समाज के रूप में हम बेहतर स्थिति में होंगे बजाय इसके कि हम इस बात पर बहस करें कि हममें से कौन, या कौन सी विशेष पीढ़ी, व्यक्तिगत रूप से बाकी सभी से श्रेष्ठ है।

हम जिस समय में बड़े हुए हैं, उसमें अनुकरणीय व्यक्तिगत गुणों में असमान विकास हुआ है। इसका मतलब यह है कि कुछ पीढ़ियां दूसरों की तुलना में कुछ चीज़ों में बेहतर हैं। मेरी राय में, बेबी बूमर्स आम तौर पर युवा पीढ़ियों की तुलना में सामुदायिक भागीदारी और संगठन में बेहतर होते हैं। जेन जेड में निस्संदेह जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने की सबसे बड़ी तत्परता है। मैं उन दो गुणों को एक साथ देखना पसंद करूंगा - लेकिन ऐसा होने के लिए, अंतर-पीढ़ीगत एकता और सहयोग को बेहतर बनाने की आवश्यकता होगी।

हमारे पास पहले से ही इतने सारे तरीके हैं कि हम एक दूसरे के लिए अपने दिल के दरवाजे बंद कर लेते हैं। आखिरी चीज जो हमें चाहिए वह है संगति और करुणा के लिए एक और बाधा। हमें बहाई लेखों में दी गई सलाह को ध्यान में रखना चाहिए:

दूसरों की शिकायत मत करो। उन्हें भला-बुरा कहने से बचो, और अगर तुम उपदेश या सलाह देना चाहते हो, तो उसे ऐसे दो कि सुनने वाले को वह भार मालूम न हो। अपने सभी विचारों को लोगों के हृदयों को प्रसन्न बनाने की दिशा में उन्मुख करो। सावधान! सावधान! कहीं तुम किसी के दिल को ठेस न पहुंचाओ। मानवता की दुनिया की यथासंभव मदद करो। हर दुखी व्यक्ति के लिए सांत्वना का स्रोत बनो, हर कमज़ोर व्यक्ति की मदद करो, हर दरिद्र व्यक्ति के सहायक बनो, हर बीमार व्यक्ति की देखभाल करो, हर दीन-हीन व्यक्ति के महिमा-मंडन का कारण बनो, और भयाक्रांत जनों को आश्रय दो। - उपरोक्त, पृष्ठ 453।

विभिन्न पीढ़ियों के सदस्य व्यापक कल्याण के लिए कैसे सहयोग कर सकते हैं इसके लिए मैं वैश्विक बहाई समुदाय को एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करना चाहूंगा। मैंने इस समुदाय में पीढ़ीगत गुटबाजी की प्रवृत्तियों का प्रतिकार करने के लिए अच्छे और उपयोगी प्रयास होते देखे हैं।

स्पष्ट रूप से, बेबी बूमर्स बनाम मिलेनियल्स जोड़ी के संबंध में जो अमेरिकी जीवन में आम बात हो गई है, मैंने देखा है कि बहाई समुदाय समस्यात्मक दृष्टिकोण और व्यवहार को पहचानते हैं और समुदाय के भीतर स्वस्थ अंतर-पीढ़ीगत संबंध बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाते हैं। एकता और आध्यात्मिकता पर केंद्रित बहाई शिक्षाओं के प्रति एक सामान्य प्रतिबद्धता सभी मामलों में एक मुख्य बात रही है।

तो मैं जिस बहाई समुदाय में रहता आया हूं उससे मैंने क्या सीखा है? आम तौर पर, युवाओं में ऊर्जा और आने-जाने की आज़ादी होती है। वे आज की दुनिया को उसी रूप में देखते हैं जैसी वह अभी है, न कि उस अतीत पर केंद्रित जो कि अधिक परिचित है। दूसरी ओर, उनके बुजुर्गों के पास अपने अनुभवों पर विचार करने के लिए अधिक समय होता है और उनके पास वर्तमान घटनाओं और पिछले दशकों के अनुभवों के बीच समानता और अंतर देखने के लिए अधिक परिप्रेक्ष्य और ज्ञान होता है। जरूरी नहीं कि युवा लोग खुले दिमाग वाले हों, और यह विचार कि बूढ़े लोग अपनी आदतें नहीं बदल सकते, एक मिथक है। जब वे अपना मन बना लेते हैं तो वे किसी 20-वर्षीय व्यक्ति की तरह ही नई आदतों को अपना सकते हैं।

हम गुटबाजी के लिए अभिशप्त नहीं हैं। हम जिस रास्ते पर चल रहे हैं, उससे भटकना संभव है। विभिन्न पीढ़ियों के सदस्यों के बीच लाभदायक सहयोग परस्पर सहायक संबंधों के उस ताने-बाने को मजबूत बना सकता है जो एक बेहतर विश्व के निर्माण के लिए आवश्यक है। यह सच है कि हम सब अलग-अलग युगों में पैदा हुए हैं, लेकिन एक समान आधार के रूप में हम सब वर्तमान युग को साझा करते हैं। इस साझा युग में, आज, हमें उस विरासत की देखभाल करनी चाहिए जो हम आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ जाएंगे।